भारतीय जनता पार्टी

(केन्द्रीय कार्यालय)
11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110001
फोन नं : 23005700; **फैक्स :** 23005787

दिनांक : 06 जनवरी, 2014

भाजपा की रा'ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य

आप का कांग्रेस की नीतियों का खुलकर आलोचना करने के बाद उससे समर्थन लेना राजनीतिक अवसरवादिता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री के हाल के भाषण में कश्मीर समस्या के हल का संकेत दिया गया जो पाकिस्तान के साथ कश्मीर के विलय की पाकिस्तान की चाल के तहत कश्मीर की सीमा को खोलने के पाकिस्तान के प्रस्ताव को स्वीकार करने जैसा है। इस तरह की टिप्पणी की पृष्ठभूमि में कश्मीर मुद्दे पर प्रशांत भूषण की हाल की दलील एक षडयंत्र को दर्शाती है जो दो राजनीतिक दलों के बीच रची जा रही है।

पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाये रखने की कोशिश करते हुये अपने जीवन का बलिदान दिया और इस संदर्भ में भारतीय जनता पार्टी भारत के हितों को सर्वोपरि रखते हुये कश्मीर के बारे में अपना रूख दृढ़ रखेगी और भारत के साथ उसकी अखंडता को सर्वाधिक महत्व देगी। भारत के संविधान में भी इस दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया है।

1. कश्मीर मुद्दे पर अरविंद केजरीवाल का स्पष्टीकरण महज दिखावा है क्योंकि आप इस पूरे मुद्दे पर भ्रमित प्रतीत होती है। इस बात की पुष्टि श्री केजरीवाल के हाल के न्यूज एक्स के इंटरव्यू में होती है जिसमें वह पाकिस्तान से जुड़े सवालों पर बचते नजर आये।
2. समझा जाता है कि भारत पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी दबाब था क्योंकि उसने पाकिस्तानी नेतृत्व से अफगानिस्तान में सहयोग के बदले ऐसा कुछ दिलाने का वादा किया था।
3. इसी के तहत विदेशी ताकतें भारत पर दबाब बना रही थीं कि वह सीमा पार उग्रवाद और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान के उकसावे के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करे।
4. इसी मकसद को ध्यान में रखकर सरकार सियाचिन से भारतीय सैनिकों को हटाने पर जोर दे रही थी।इसके अलावा अफगानिस्तान से निकलने के बदले पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय ताकतों ने एक और तोहफा देने का वादा किया था।
5. इस बात के अनेक संकेत मिलते हैं कि अफगानिस्तान से नाटो के सैनिकों की वापसी के बाद तमाम तालिबानी और जिहादी ताकतों का इस्तेमाल पाकिस्तान द्वारा कश्मीर को हथियाने के लिये किया जायेगा। यही वजह है कि पाकिस्तान के हितों को ध्यान में रखकर प्रशांत भूषण कश्मीर से सेना हटाने की दलील दे रहे हैं। इसी प्रत्याशा में अफगानिस्तान में सक्रिय जिहादी संगठन पाकिस्तान के पंजाब में अपना अड्डा बना रहे हैं। इनमे अलकायदा भी शामिल है।
6. प्रधानमंत्री को कश्मीर के बारे में बिना सोचे समझे कुछ नहीं करना चाहिये क्योंकि संसद ने एक प्रस्ताव पारित कर रखा है कि गिलगिट–बाल्टीस्तान समेत पूरा कश्मीर भारत का है। भले ही उन पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी दबाव हो लेकिन वह भारत की जनता की भावनाओं से खिलवाड करने का दुससाहस नहीं करें।

(इंजी. अरुण कुमार जैन)
कार्यालय सचिव